nounced several package measures of relief to the affected farming families including steps to assist the farmers who are facing debt trap due to damage to crop.

राष्ट्रीय कृषि विस्तार परियोजना के अन्तर्गत राज्यों को वित्तीय सहायता

131. **श्री मोहिन्दर सिंह कल्याणः** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय कृषि विस्तार परियोजना के अंतर्गत विश्व बैंक द्वारा पंजाब, बिहार, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उड़ीसा राज्यों को कितनी वित्तीय सहायता प्रदान की गई; और

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान इस परियोजना के अन्तर्गत किए गए कार्य का जिला-वार ब्यौरा क्या है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोम पाल): (क) मध्य प्रदेश, उड़ीसा एवं राजस्थान राज्यों को 1984 से 1993 तक चली विश्व बैंक की सहायता प्राप्त राष्ट्रीय कृषि विस्तार परियोजना-1 (एन०ए०ई०पी०-1) के तहत कवर किया गया था। अन्य तीन राज्यों अर्थात् बिहार, पंजाब और उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय कृषि विस्तार परियोजना-3 (एन०ए०ई०पी०-3) के तहत कवर किया गया, जो 1988 से 1995 तक चालू रही।

इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन हेतु विश्व बैंक की सहायता ऋण वितरण आधार पर उपलब्ध थी। एन०ए०ई०पी०-1 और एन०ए०ई०पी०-3 दोनों के तहत लागत एवं वितरित किए गए ऋण का परियोजना/राज्यवार ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है (नीचे देखिए)।

(ख) चूंकि एन०ए०ई०पी०-1 और एन०ए०ई०पी०-3 क्रमशः मार्च, 1992 और मार्च, 1995 में बन्द हो चुकी हैं, पिछले तीन वर्षों के दौरान किए गए कार्य का जिला-वार ब्यौरा देने का प्रश्न ही नहीं उठता।

विवरण

राष्ट्रीय कृषि विस्तार परियोजनाओं के तहत विश्व बैंक की राज्यवार सहायता

(रुपए मिलियन में)

क्रम सं०	परियोजना	अवधि	कवर किए गए राज्य	परियोजना की लागत	संचित वितरण	प्रमुख कार्यकलाप
1.	राष्ट्रीय कृषि विस्तार परियोजना-1	1984 से 1993	मध्य प्रदेश	145.70	153.00	विस्तार सेवाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु इन्क्रीमेन्टल स्टाफ की तैनाती, प्रशिक्षण, सिविल कार्य, उपकरणों और वाहनों आदि की खरीद।
			उड़ीसा	196.90	133.00	
			राजस्थान	290.00	264.50	
2.	राष्ट्रीय कृषि विस्तार परियोजना-3	1988 से 1995	बिहार	180.00	52.81	-तदेव-
			पंजाब	172.40	133.06	
			उत्तर प्रदेश (पूर्वी जिले)	1151.80	704.50	
			(पश्चिमी जिले)	1219.07	1035.05	

Plight of cotton growers in Andhra Pradesh

132. SHRI N.R. DASARI:
SHRI GURUDAS DAS GUPTA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the plight of cotton growers in Andhra Pradesh due to heavy crop losses and indebtedness to private money lenders and treaders leading to suicides of over 50 farmers during the past one year; and

(b) if so, the details thereof and steps being taken to help the farmers?